श्याम धणी का सच्चा दरबार | By Indu Sharma

खाटू के श्याम धणी की- महिमा अपार है
जो माँगना है सो माँगो,सच्चा दरबार है

कलयुग में हारो का तो,जीना मुहाल है
जीना मुहाल है-2
इस झूठे जग में ये ही,रखता ख्याल है
रखता ख्याल है-2
बाबा की शरण मे आके हर मझधार पार है
जो माँगना है सो माँगो,सच्चा दरबार है

अँखियों के आँसुओ से,अब क्या करना गिला
अब क्या करना गिला-2
मेरे साँवरे की भक्ति,देगी खुशियों से मिला
देगी खुशियों से मिला-2
बाबा की कृपा से उजड़ा-चमन भी गुलज़ार है
जो माँगना है सो माँगो,सच्चा दरबार है

दरबार मे पावन ज्योत के,बड़े अजब नज़ारे है
बड़े अजब नज़ारे है-2
दर पे आने वालों के,चमके सितारे है
चमके सितारे है-2
"रूबी रिधम" कहती ये बड़ा दानी दातार है
जो माँगना है सो माँगो,सच्चा दरबार है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a7%e0%a4%a3%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%9a%e0%a5%8d%e0%a4%9a%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-indu-sharm/